

## राज्य निर्वाचन आयोग, हरियाणा

निर्वाचन सदन, प्लॉट नं०-2, सेक्टर-17, पंचकूला, 134 109

दिनांक 13 मार्च, 2012

**क्रमांक रा०नि०आ०/3ई०-II/2012/680.**—राज्य निर्वाचन आयोग, हरियाणा द्वारा उपायुक्त एवं जिला निर्वाचन अधिकारी, पंचायत, करनाल द्वारा दी गई सूचना के आधार पर पंचायत आम चुनाव वर्ष 2010 में निर्वाचित पंचायती राज संस्थाओं के सदस्यों के नामों की अधिसूचना दिनांक 16 जुलाई, 2010 को जारी की गई थी।

2. आयोग द्वारा प्रकाशित अधिसूचना दिनांक 6 जुलाई, 2010 व 16 जुलाई, 2010, में कुछ जिलों से अधिसूचना की कुछ प्रविष्टियों में संशोधन हेतु प्रस्ताव प्राप्त हुये थे, जिसमें दिनांक 20 जुलाई, 2010 को उपायुक्त एवं जिला निर्वाचन अधिकारी पंचायत, करनाल के कार्यालय से केवल एक प्रविष्टि पर संशोधन पर प्रस्ताव प्राप्त हुआ। राज्य के कुछ जिलों से प्राप्त संशोधन प्रस्तावों पर आयोग द्वारा अपने पत्र क्रमांक रा०नि०आ०/3ई०-II/2010/6149-6169 दिनांक 20 जुलाई, 2010 अनुसार राज्य के सभी उपायुक्त एवं जिला निर्वाचन अधिकारी (पंचायत) को लिखा गया था कि उनके जिले के निर्वाचित पंचायती राज संस्थाओं के सदस्यों में कोई संशोधन किया जाना है तो उस बारे में आयोग को दिनांक 22 जुलाई, 2010 सांय 4.00 बजे तक सूचित करने का कष्ट करें ताकि आवश्यक संशोधन किया जा सके, तत्पश्चात आयोग द्वारा उनके संशोधन पर विचार नहीं किया जायेगा। उपायुक्त एवं जिला निर्वाचन अधिकारी पंचायत, करनाल से दिनांक 22 जुलाई, 2010 तक कोई सूचना प्राप्त नहीं हुई, अन्य जिलों से प्राप्त सूचना के आधार पर आयोग द्वारा दिनांक 23 जुलाई, 2010 को अधिसूचना में शुद्धिपत्र जारी किया गया।

3. इससे पूर्व आयोग द्वारा अपने पत्र क्रमांक एस०ई०सी०/2ई०-II/2010/5543-46 दिनांक 6 जुलाई, 2010 अनुसार उपायुक्त एवं जिला निर्वाचन अधिकारी (पंचायत) करनाल को लिखा गया था कि पंचायती राज संस्थाओं के आम चुनाव, 2010 में निर्वाचित सदस्यों की सूचना भेजने से पूर्व वह नाम/पिता का नाम और वार्ड का विशेष ध्यान रखेंगे। उसी आधार पर नामों की पड़ताल करेंगे जिस आधार पर उन्होंने नामांकन पत्र में अपना विवरण दिया है। सभी खण्ड विकास एवं पंचायत अधिकारी स्वयं प्रत्येक विवरण की पड़ताल करके सूचना उपायुक्त एवं जिला निर्वाचन अधिकारी (पंचायत) के कार्यालय में देंगे तथा जिला निर्वाचन अधिकारी (पंचायत) द्वारा कम से कम 20% विवरणों की पड़ताल करके आयोग के कार्यालय में भेजेंगे और किसी भी त्रुटि के लिए उनके कार्यालय का सम्बन्धित अधिकारी जिम्मेवार होगा।

4. उपायुक्त एवं जिला निर्वाचन अधिकारी पंचायत करनाल द्वारा अपने पत्र क्रमांक 2014/पंचायत दिनांक 28 जुलाई, 2010 द्वारा आयोग को सूचित किया गया कि खण्ड विकास एवं पंचायत अधिकारी, असन्ध की रिपोर्ट अनुसार नो पंचों के नाम गलत लिखे गये हैं इन्हें दुरुस्त करके अधिसूचित किया जाये। आयोग द्वारा अपनी अधिसूचना दिनांक 8 सितम्बर, 2010 अनुसार तीन नामों में संशोधन कर दिया गया तथा बाकी छः नामों बारे अपने पत्र दिनांक 22 सितम्बर, 2010 अनुसार उपायुक्त एवं जिला निर्वाचन अधिकारी पंचायत करनाल से पूछा गया था कि वह आयोग को स्पष्ट करें यह गलती किस स्तर पर हुई और पूर्व में गलत नाम अधिसूचित करने हेतु क्यों भेजे गये। इसके अतिरिक्त इन पदों पर कौन उम्मीदवार विजयी हुआ था। उनके समर्थन में रिकॉर्ड की सत्यापित प्रतियां आयोग को अपनी सिफारिश सहित भिजवाये और इन त्रुटियों के लिए जिम्मेवारी तय करते हुये सम्बन्धित के विरुद्ध अनुशासनिक कार्यवाही करने हेतु उनके विभागों से अनुरोध करें।

5. इसी मामले में आयोग द्वारा अपने पत्र क्रमांक एस०ई०सी०/3ई०-II/2011/350 दिनांक 16 फरवरी, 2011 अनुसार वित्तायुक्त एवं प्रधान सचिव, हरियाणा सरकार को अन्य मामलों सहित उपायुक्त एवं जिला जिला निर्वाचन अधिकारी पंचायत, करनाल द्वारा आयोग को भेजे गये संशोधन प्रस्तावों पर टिप्पणी देने हेतु लिखा गया जिस पर उन्होंने अपने पत्र दिनांक 20 जून, 2011 अनुसार आयोग को सूचित किया उन्होंने इस पर सम्बन्धित उपायुक्त एवं जिला निर्वाचन अधिकारी पंचायत से स्पष्टीकरण प्राप्त किया गया जिस पर उपायुक्त एवं जिला निर्वाचन अधिकारी पंचायत, करनाल द्वारा बताया गया कि एक मात्र लिपिकीय त्रुटि थी, जिसके लिए किसी को जिम्मेवार ठहराया जाना उचित नहीं होगा। वित्तायुक्त एवं प्रधान सचिव, हरियाणा सरकार, विकास एवं पंचायत विभाग द्वारा आयोग को नियमानुसार संशोधन करने बारे कहा गया तथा उन्होंने यह भी सूचित किया कि उनके द्वारा दोषियों के खिलाफ अनुशासनिक कार्यवाही करने हेतु सम्बन्धित उपायुक्त एवं जिला निर्वाचन अधिकारी, पंचायत को निर्देशित कर दिया जायेगा।

6. मामले में उपायुक्त एवं जिला निर्वाचन अधिकारी पंचायत, करनाल द्वारा अपने पत्र क्रमांक 2833/पंचायत दिनांक 5 अप्रैल, 2011 अनुसार आयोग को सूचित किया गया कि पंचायत आम चुनाव के समय लगातार लम्बे समय तक दिन रात कार्य की अधिकता व व्यवस्तता के कारण तथा COMPUPTOR OPERATOR जो कि अन्य विभाग से लगाया गया था के तकनीकी कारणों से यह गलती हुई है यह सारा कार्य ज्यादा लम्बा तथा समयबद्ध किया जाना था इसलिये फीड करने में चूक हुई थी। इन मामलों में आयोग द्वारा अपने स्तर पर भी जांच की गई तथा आवश्यक कानूनी राय भी प्राप्त की गई जिस पर उपायुक्त एवं जिला निर्वाचन अधिकारी पंचायत करनाल से पुनः मामले पर विस्तृत रिपोर्ट प्राप्त की गई जिसमें उन्होंने वर्णित किया है कि:-

“आयोग के निर्देशानुसार उनके कार्यालय द्वारा समस्त व्यक्तियों को दिनांक 16 नवम्बर, 2011 को निजी सुनवाई के लिये बुलाया गया। सुनवाई की निश्चित तिथि पर जिन लोगों के नाम गलत अधिसूचित हुये हैं, उनमें से कोई भी व्यक्ति खण्ड विकास एवं पंचायत अधिकारी, असन्ध के विशेष वाहक द्वारा दस्ती पत्र देने के बावजूद भी हाजिर नहीं हुआ। उपस्थित व्यक्तिगण जोकि वास्तव में पंच निर्वाचित हुये हैं, उन्हें विस्तारपूर्वक सुना गया है। अपनी सुनवाई में उनके द्वारा निम्न प्रकार ब्यान दिये गये हैं :-

1. श्रीमती सन्तोष पत्नी सुरेन्द्र, गांव बल्ला ने बताया कि उसने ग्राम पंचायत का चुनाव लड़ा था और उसके पक्ष में 61 वोट पड़े थे और उसे ही निर्वाचन अधिकारी द्वारा घोषित किया गया था तथा श्रीमती प्रेमलता पत्नी श्री दरिया चुनाव हार गई थी।
2. श्री सुरेन्द्र पुत्र श्री धर्म सिंह, गांव गंगाटेहड़ी ने अपने ब्यानों में बताया है कि उसने ग्राम पंचायत गंगाटेहड़ी वार्ड नं० 10 से पंच का चुनाव लड़ा था और उसके विरुद्ध श्री संजय कुमार पुत्र श्री किशना ने चुनाव लड़ा था जो कि हार गया था और उसे (सुरेन्द्र) पंच पद पर निर्वाचित घोषित किया गया था।
3. श्रीमती सुनीता पत्नी राममेहर, गांव कुडलन ने अपने ब्यानों में कहा है कि उसने ग्राम पंचायत कुडलन में वार्ड नं० 6 से पंच का चुनाव लड़ा था और उसके पक्ष में 122 वोट पड़े थे तथा उसके विरुद्ध श्रीमती सन्तोष पत्नी श्री सेवा राम चुनाव हार गई थी तथा उसे (सुनीता) निर्वाचन अधिकारी ने निर्वाचित घोषित किया था।
4. श्रीमती निर्मला देवी पत्नी सतपाल, गांव ललैन ने अपने ब्यानों में बताया है कि उसने ग्राम पंचायत ललैन के वार्ड नं० 7 से पंच पद के लिये चुनाव लड़ा था और चुनाव में श्रीमती जीलों पत्नी श्री श्यामा चुनाव हार गई थी उसे (निर्मला) ही पंच निर्वाचित घोषित किया गया था।
5. श्री रणबीर पुत्र रिसाला, गांव मूण्ड ने अपने ब्यानों में कहा है कि पंचायत आम चुनाव, 2010 में पंच पद के लिये वार्ड नं० 9 से चुनाव लड़ा था और मेरे पक्ष में 77 वोट पड़े थे तथा उसके विरुद्ध श्री राजबीर पुत्र श्री नरसिंह चुनाव हार गया था और उसे (रणबीर) को ही निर्वाचित घोषित किया गया था।
6. श्रीमती वाशनों देवी पत्नी श्री रणधीर, गांव उपलाना ने अपने ब्यानों में बताया है कि उसने ग्राम पंचायत उपलाना के वार्ड नं० 13 से पंच पद के लिये चुनाव लड़ा था तथा 155 वोट उसके पक्ष में पड़े थे और उसके विरुद्ध श्री बलविन्द्र सिंह पुत्र श्री सतबीर चुनाव हार गया था। निर्वाचन अधिकारी द्वारा उसे (वाशनों देवी) ही निर्वाचित घोषित किया गया था।

उपायुक्त एवं जिला निर्वाचन अधिकारी पंचायत, करनाल द्वारा आगे व्यक्त किया गया है कि श्री कर्ण सिंह, समाज शिक्षा एवं पंचायत अधिकारी, असन्ध जो कि आम चुनाव के समय से कार्यरत है, ने अपने ब्यानों में कहा है कि आम चुनाव के समय दिन रात कार्य की अधिकता व व्यस्तता के कारण कम्प्यूटर आपरेटर जो दूसरे विभाग से बुलाया गया था, से फीड करने में चूक हो गई थी तथा विजयी उम्मीदवार का कार्यालय में रिकॉर्ड उपलब्ध है जो विजयी हुये हैं, उन्हें ही शपथ दिलाई गई है। इसी प्रकार खण्ड विकास एवं पंचायत अधिकारी असन्ध ने भी कहा है कि समयबद्ध अत्याधिक कार्य होने के कारण ही यह चूक हुई है। उपायुक्त एवं जिला निर्वाचन अधिकारी पंचायत करनाल द्वारा पुनः व्यक्त किया गया उपरोक्त वर्णित व्यक्तिगण का नाम आम चुनाव के समय कार्य की अधिकता होने के कारण clerical mistake हुई है, जानबूझकर नहीं की गई है। चुनाव परिणाम रिटर्निंग अधिकारी पंचायत द्वारा सही घोषित किये गये हैं और निर्वाचित को ही प्रमाण-पत्र दिये गये हैं, उन्होंने उपरोक्त विजयी उम्मीदवारों/पंचों के नाम अधिसूचित करने बारे अनुरोध किया है।

7. उपायुक्त एवं जिला निर्वाचन अधिकारी (पंचायत) करनाल द्वारा अपने पत्र क्रमांक 11421/पंचायत दिनांक 1 दिसम्बर, 2011 अनुसार आयोग को यह स्पष्ट किया गया है कि निर्वाचित व्यक्तियों को ही शपथ दिलवाई गई है और उन्हीं को निर्वाचन प्रमाण-पत्र जारी किया गया था। जिला प्रशासन द्वारा जिन व्यक्तियों के नाम आयोग द्वारा अधिसूचना में अधिसूचित ही नहीं किये गये थे, उनको शपथ दिलवाई गई जो कि एक गम्भीर चूक है इससे आयोग द्वारा निर्वाचित व्यक्तियों के नामों की अधिसूचना जारी करने का कोई औचित्य ही नहीं रह जाता क्योंकि जब बिना अधिसूचित हुये ही शपथ ग्रहण करवाई जा रही है। उपायुक्त एवं जिला निर्वाचन अधिकारी पंचायत करनाल द्वारा शपथ ग्रहण होने उपरांत नामों में दुरुस्ती करने हेतु आयोग को अनुरोध किया गया था। जिसको किसी भी सूरत में लिपिकीय त्रुटि नहीं माना जा सकता, जबकि रिटर्निंग अधिकारी द्वारा चुनाव परिणाम सही घोषित किया गया और निर्वाचित व्यक्तियों को निर्वाचन का प्रमाण-पत्र दिया गया था उसके बावजूद भी यह गम्भीर लापरवाही की गई।

8. परिस्थितियों को मध्यनजर रखते हुये आयोग द्वारा भविष्य में इस प्रकार की प्रवृत्ति को रोकने हेतु आदेश क्रमांक रा०नि०आ०/उई-1/2011/748 दिनांक 16 मई, 2011 जारी किया गया है जिसमें निर्वाचित पंचायती राज संस्थाओं के सदस्यों के नाम आयोग को अधिसूचना हेतु भेजने से पूर्व उनकी जांच करने व सम्बन्धित कर्मचारी/अधिकारी की जिम्मेवारी तय की गई है। इस आदेश में यह भी स्पष्ट किया गया है कि नाम आयोग को अधिसूचना में अधिसूचित करने हेतु भेजे जाने उपरांत यदि कोई गलती पाई जाती है तो उसके लिए सम्बन्धित अधिकारी जिम्मेवारी होंगे और लापरवाही के लिए उक्त अधिकारी अनुशासनिक कार्यवाही के पात्र होंगे।

9. उपरोक्त वर्णित तथ्यों एवं उपायुक्त एवं जिला निर्वाचन अधिकारी पंचायत, करनाल द्वारा खण्ड असन्ध में पहले अधिसूचित पंचों के स्थान पर संशोधन हेतु दिये गये प्रस्तावित नामों और कानूनी राय को मध्यनजर रखते हुये राज्य निर्वाचन आयोग हरियाणा अपनी अधिसूचना क्रमांक एस०ई०सी०ई०/ई०-1/2010/5989 दिनांक 16 जुलाई, 2010 में निम्न प्रकार से संशोधन करता है :-

क्र० सं०	ग्राम पंचायत का नाम	पंच वार्ड नम्बर	पहले अधिसूचित नाम	संशोधन हेतु प्रस्तावित नाम	अब संशोधित नाम
1.	बल्ला	3	प्रेमलता पत्नी दरिया	सन्तोष पत्नी महेन्द्र	सन्तोष पत्नी महेन्द्र
2.	गंगाटेहड़ी	10	संजय कुमार पुत्र किशना	सुरेन्द्र पुत्र धर्म सिंह	सुरेन्द्र पुत्र धर्म सिंह
3.	कुडलन	6	सन्तोष पत्नी सेवा राम	सुनीता पत्नी राममेहर	सुनीता पत्नी राममेहर
4.	ललैन	7	जीलो पत्नी श्यामा	निर्मला देवी पत्नी सतपाल	निर्मला देवी पत्नी सतपाल
5.	मुण्ड	9	राजबीर पुत्र नरसी दास	रणबीर पुत्र रिसाला	रणबीर पुत्र रिसाला
6.	उपलाना	13	बलविन्द्र सिंह पुत्र सतबीर सिंह	वाशनों देवी पत्नी रणधीर	वाशनों देवी पत्नी रणधीर (महिला)

10. इसके अतिरिक्त मामले में दोषी अधिकारियों/कर्मचारियों के विरुद्ध कार्यवाही करने बारे आदेश अलग से जारी किये जायेंगे।

आदेश द्वारा,

पंचकूला :

सचिव,

दिनांक 13 मार्च, 2012

राज्य निर्वाचन आयोग, हरियाणा ।